|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **En hyggelig spøgelseshistorie** | | | |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Et billede, der indeholder tekst, himmel  Automatisk genereret beskrivelse | | [Download foto her](https://mcusercontent.com/77ab2fec3bb51615af1a110c6/images/1f515ab3-a6d0-6d9f-28ef-1b7f07f44b22.jpg)  **Fakta om bogen**: **Titel**: Monstre, spøgelser og kanelsnegle **Forfatter**: Alexander Jansson **Omfang**: 38 sider **Pris**: 249,95 kroner Er udkommet  **Om forfatteren:** Alexander Jansson (f. 1977) er kendt verden over for sin sælsomme, sjove og stemningsfulde streg. Han debuterer som forfatter med denne billedbog. | | | | | |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | *Alexander Jansson*  **Monstre, spøgelser og kanelsnegle** | |  |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Skøn bog om at møde de ting, man er lidt bange for og finde ud af, at de slet ikke er så farlige, som man gik og troede.  Børnene Ebba og August skal på på picnic og nyde nogle lækre kanelsnegle. Men pludselig er sneglene væk, og sporet af krummer fører dem ind i et uhyggeligt, gammelt slot, hvor der både bor monstre og spøgelser.  Det bliver en lang og vidunderlig jagt på de gode kanelsnegle. På deres vej både hjælper de og får hjælp af alle mulige mærkelige væsener, indtil de finder kanelsneglene igen.  Bogen er til børn fra ca. 4 år | |  |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Pressekontakt: Fanny Reinholtz, [presse@lindhardtogringhof.dk](mailto:presse@lindhardtogringhof.dk). | | | | |